संचय
SANCHAYA

रा ब सं
जनसेवा में 50 वर्षों से अधिक
NSI
Over 50 Years in Service of People

मासिक प्रकाशन | Monthly Publication

सितम्बर 2005 (अंक 150) | September 2005 (Issue 150)

माननीय शिक्षा राज्य मंत्री, राजस्थान सरकार श्री वासुदेव देवनानी, राष्ट्रीय बचत संस्थान, जयपुर केन्द्र द्वारा जयपुर में आयोजित संचयिका दिवस के अवसर पर सबसे अच्छे संचयिका योजना चलाने वाले स्कूल को पुरस्कार देते हुए। साथ में (बायें से दायें) माननीय सॉंसद श्री गिरधारीलाल भार्गव एवं श्री अनिल भट्टाचार्य, विभाग प्रमुख, राष्ट्रीय बचत संस्थान।

राष्ट्रीय बचत संस्थान ने पूरे देश में संचयिका दिवस मनाया।

राष्ट्रीय बचत संगठन (अब राष्ट्रीय बचत संस्थान) द्वारा प्रति वर्ष संचयिका दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष भी राष्ट्रीय बचत संस्थान द्वारा संचयिका दिवस 15 सितम्बर 2005 को पूरे देश में क्षेत्रीय केन्द्रो के मुख्यालय पर मनाया गया।

संचयिका दिवस मनाने का उद्देश्य स्कूल जाने वाले बच्चों में बचपन से ही बचत की आदत का विकास करना एवं बैंकिंग कार्यपद्धति की जानकारी देना क्योंकि संचयिका योजना विद्यार्थियों द्वारा स्कूल में ही चलाया जाता है। संचयिका योजना के अन्तर्गत जो रकम जमा होती उसे डाकघर में डाकघर बचत खातें में जमा कर दिया जाता है। संचयिका दिवस के अवसर पर संचयिका विद्यार्थियों के बीच बहुत सारे प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जैसे - निबंध, वाद-विवाद, चित्रकला इत्यादि एवं जीतने वाले प्रतियोगियों को पुरस्कार दिये गये।

इसी आयोजन के तहत सभी सम्बन्धितों को संचयिका योजना में हाल ही में किये गए परिवर्तनों की भी जानकारी दी गई। संचयिका समारोह को देशभर के प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मिडिया द्वारा प्रचार किया गया।

राष्ट्रीय बचत संस्थान
NATIONAL SAVINGS INSTITUTE

राष्ट्रीय बचत संस्थान, सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, सेमिनरी हिल्स, नागपुर National Savings Institute, CGO Complex, Seminary Hills, Nagpur

श्री. एम. भद्र, संयुक्त सचिव, वित्त विभाग एवं निदेशक, अल्प बचत, पश्चिम बंगाल सरकार राष्ट्रीय बचत संस्थान के कोलकाता केन्द्र द्वारा कोलकाता में आयोजित संचयिका दिवस के अवसर पर संचयिका विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए। साथ में श्री. टी. दासरी, क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान, कोलकाता केन्द्र एवं श्री डी. चटर्जी, उपनिदेशक, अल्प बचत, पश्चिम बंगाल सरकार।

राष्ट्रीय बचत संस्थान ने 14 से 28 सितम्बर 2005 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया।

गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग एवं वित्त मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अनुसार, राष्ट्रीय बचत संस्थान ने 14 से 28 सितम्बर 2005 तक मुख्यालय नागपुर में एवं इसके सभी क्षेत्रीय केन्द्रो के मुख्यालय पर हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। हिन्दी पखवाड़ा आयेजित करने का उद्देश्य राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देना था। इस पखवाड़े के दरम्यान बहुत सारे प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जैसे निबंध, वाद-विवाद, सामान्य ज्ञान इत्यादि। इन प्रतियोगिताओं का आयोजन मुख्यालय के ए. बी. सी. एवं डी. समूह के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच किया गया जिससे के राष्ट्रीय बचत संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच राजभाषा के प्रयोग को प्रोत्साहन मिले। उद्घाटन समारोह के दरम्यान माननीय केन्द्रीय वित्त मंत्री से प्राप्त संदेश को श्री जे.पी. सिंह, हिन्दी अधिकारी ने पढ़ा। 28 सितम्बर 2005 को हिन्दी पखवाड़ा समापन के अवसर पर प्रतियोगिता के विजयी लोगों को पुरस्कार मुख्य अतिथि श्री.डी.एन. सिन्हा, आई.आर.एस. सदस्य (अवकाश प्राप्त), केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के हाँथों दिया गया। उन्होने अपने सम्बोधन में कहा कि रोजमरी के कार्यालयीन कार्यों को हिन्दी में अधिक-से अधिक करना, यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है क्योंकि यह हमारी राष्ट्रभाषा है।

श्री सदवेलकर, मानद सचिव, समाज सेवा संधि उच्च विद्यालय, परेल, मुंबई, राष्ट्रीय बचत संस्थान, मुंबई केन्द्र द्वारा मुंबई में संचयिका दिवस पर आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करते हुए। साथ में (बायें से दायें) श्री डी.वी. अडगाले, प्रिंसिपल, समाज सेवा संस्था उच्च विद्यालय, श्री नासिर सज्जाद, क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान, मुंबई केन्द्र, एवं श्री कमरूद्दीन शाह, उप-निदेशक, एन.एस.आई. मुंबई केन्द्र।

माननीय विधान सभा सदस्य, गाँधीनगर, बैंगलोर श्री दिनेश गुँडु राव, राष्ट्रीय बचत संस्थान, बैंगलोर केन्द्र द्वारा बैंगलोर में आयोजित संचयिका दिवस पर सभा को सम्बोधित करते हुए। साथ में (बायें से दाये) श्रीमती एम. गीता, मुख्य अध्यापिका, स्त्री समाज मिडल स्कूल, शेषाद्रिपुरम, श्री मीर अजमत अली, क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान, बैंगलोर केंद्र, श्री डब्ल्यू. पी. कृष्णा, जनरल सेक्रेटरी, शेषाद्रिपुरम शैक्षणिक ट्रस्ट एवं श्री के.एम. नानजप्पा, अध्यक्ष, शेषाद्रिपुरम शैक्षणिक ट्रस्ट।

राष्ट्रीय बचत संस्थान द्वारा 'वित्त एवं लेखा' विषयपर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय बचत संस्थान ने 5 से 6 सितम्बर 2005 तक देशभर के क्षेत्रीय केन्द्रों के कर्मचारियों के लिए ''वित्त एवं लेखा'' विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया । संयुक्त राष्ट्रीय बचत आयुक्त एवं विभागाध्यक्ष श्री अनिल भट्टाचार्या ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने राष्ट्रीय बचत संस्थान के क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए वित्तीय अनुशासन की जरूरत पर बल दिया। उन्होने कहा कि जो कर्मचारी वित्त एवं लेखा से सम्बन्धित कार्य करते है उन्हें वित्तीय पुस्तकों में दी गई नियम–कानूनों की जानकारी होनी चाहिए जिससे कि वे वित्तीय अनुशासन में न्याय ला सकें। उन्होने फिर सहभागियों से अपील किया कि वे इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का अधिक से अधिक लाभ लें ताकि वे अपने क्षेत्रिय कार्यालय में प्रभावी एवं कुशलता पूर्वक कार्य कर सकें। उप राष्ट्रीय बचत आयुक्त एवं कोर्स निदेशक श्री एस. के. त्रिपाठी ने राष्ट्रीय बचत संस्थान द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य समझाया । श्री दीपक वर्मा, क्षेत्रीय निदेशक, श्री.एस. एल. कुरील, क्षेत्रीय निदेशक, श्री. डी.के. घाटे, उप–निदेशक के अलावा अतिथि फैकल्टी श्री एच.ए. वरयाणी, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, सी.बी.डी.टी., श्री. एस.डी. कहाले, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, एन.एस.एस.ओ., श्रीमती डी.एम. कालवीट, ए.ए. ओ., एन.एस.एस.ओ. एवं श्री. एस.जी. परले, वरिष्ठ आडिट अधिकारी, ए.जी. आफीस ने प्रशिक्षण दिया। कुल मिलाकर विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों के 22 सहभार्गियों ने प्रशिक्षण मे भाग लिया।

श्री एस.के. संधु, आई.ए.एस. वित्त सचिव, चंडीगढ़ शासन राष्ट्रीय बचत संस्थान, चंडीगढ़ केन्द्र द्वारा चंडीगढ़ में संचयिका दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देते हुए। श्री.एम.के. मल्होत्रा, क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान चंडीगढ़ केन्द्र भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

अप्रैल 2005 से जुलाई 2005 तक अल्प बचत संग्रहण

(करोड रुपये)

अनु. क्र.	क्षेत्र / राज्य	सकल	शुद्ध	सकल	शुद्ध
		जुलाई 2004 तक		जुलाई 2005 तक	
1.	आंध्र प्रदेश	2854.35	1390.76	3347.58	1458.02
2.	अरूणाचल प्रदेश	22.91	11.69	18.38	8.58
3.	असम	683.25	248.20	741.66	48.96
4.	अंदमान निकोबार द्वीप	6.43	1.62	9.95	4.73
5.	आर्मी पोस्ट ऑफीसेस	199.00	120.84	110.13	10.85
6.	बिहार	1722.98	728.43	1920.32	722.66
7.	झारखंड	799.25	453.62	919.13	386.44
8.	चंडीगढ	113.19	16.76	152.52	20.24
9.	दमण एवं दीव	6.78	4.40	13.22	5.45
10.	दिल्ली	2559.71	1433.41	2542.39	1116.52
11.	गोवा	179.28	114.48	261.94	184.49
12.	गुजरात	5014.90	2600.83	5534.32	2374.51
13.	हरियाणा	1524.05	570.18	1711.53	543.98
14.	हिमाचल प्रदेश	634.06	250.00	789.35	265.24
15.	जम्मू व कश्मीर	438.01	177.20	519.36	184.29
16.	कर्नाटक	2189.65	935.39	2614.48	1102.05
17.	केरल	1682.95	818.75	1954.20	842.07
18.	लक्षद्वीप	0.22	0.09	0.39	0.13
19.	मध्य प्रदेश	1610.56	716.34	1654.50	624.49
20.	छत्तीसगढ	298.85	160.68	521.78	255.74
21.	महाराष्ट्र	5893.81	3142.62	6656.50	3255.03
22.	मणिपुर	25.01	6.79	31.04	7.29
23.	मेघालय	48.25	14.76	56.47	16.55
24.	मिझोरम	26.73	12.11	35.66	11.61
25.	नागालैंड	11.12	5.42	11.71	4.23
26.	उडीसा	839.94	370.75	943.55	380.87
27.	पांडीचेरी	28.41	9.00	39.25	14.42
28.	पंजाब	2690.64	1009.85	3156.26	941.58
29.	राजस्थान	2604.06	1308.63	2684.92	1041.78
30.	सिक्कीम	19.48	5.34	24.75	5.88
31.	तमिलनाडू	2973.42	1391.01	3701.26	1654.99
32.	त्रिपूरा	124.28	50.93	157.26	64.58
33.	उत्तर प्रदेश	4383.97	1757.98	5625.54	2026.82
34.	उत्तरांचल	649.16	292.04	713.98	271.78
35.	पश्चिम बंगाल	5731.99	2746.77	7112.24	3239.38
	कुल	**48590.63**	**22877.66**	**56287.50**	**23100.19**

टिप्पणी : डाक विभाग नई दिल्ली से प्राप्त आंकडे सामन्जस्य अधीन है। इन आंकडों में पी.पी.एफ. (बैंक) संग्रहण शामिल नहीं हैं।

SHIVRAJ (D.G.P.S.) NAGPUR